समय-२ घन्टे **CODE - JALGAON** पूर्णांक - ५०

प्र.१ **निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए -** १४

अ) जीर्ण बादु है शीर्ण शरीर
ऐ विप्लव के वीर ।
चूस लिया है उसका सार,
हाड़-मात्र ही है आधार,
ऐ जीवन के पारावार ।"

अथवा

"कभी नहीं था, यहाँ आदमी हरदम नंगा
दिखलाई देता है, चोरी- सीनाजोरी
साथ-साथ मिलती है, निष्कलंकता गंगा
उठा-उठा कर दिखलाती जिह्वा झकझोरी"

आ) "कृष्णपक्ष की दशमी का श्रृंगार,
नहीं हर्ष का कर पाया संचार ।
मुनि ने कहा कि सो जाओ अब तात ।
आधी से भी अधिक हो गयी रात ।"

अथवा

"ऋतुओं का स्थापित होगा फिर राज्य
कहीं नहीं दीखेंगे पर्ण-कुटीर
सूझ- समन्वित श्रम का कोई चिह्न
शेष न होगा / होगा प्राकृत दृश्य"

प्र.२ **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** २०

इ) जयशंकर प्रसाद की 'जाग री' कविता का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'मारे जायेंगे' कविता का जीवन-दर्शन स्पष्ट कीजिए ।

ई) 'भूमिजा' खण्डकाव्य के 'रामकथा प्रसंग को संक्षेप में समाझाइए ।

अथवा

'भूमिजा' खण्डकाव्य के चर्चित पात्रों का चरित्र -चित्रण कीजिए ।

प्र.३ **निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :-** १०

उ) 'मैं वहाँ हूँ', कविता का सौन्दर्य ।

अथवा

'पाँचवी चिठ्ठी' कविता से तात्पर्य ।

ऊ) सीता का चरित्र ।

अथवा

ब्रह्मर्षि विश्वमित्र का चरित्र ।

प्र. ४ **निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-** ६

ए) जयशंकरप्रसाद का जन्म कब हुआ ?
ऐ) सुमित्रानंदन पंत की मृत्यु कब हुई ?
ओ) 'बच्चे' कविता किस कवि की है ?
औ) सगर कौन है ?
क) भगीरथ किसके पुत्र हैं ?